रास्ते में मिली एक लड़की

धरती हिमकणों की मोती से भरी हुई थी। धरती हिमकणों की मोती ओढ़कर सो रही थी। चाँद की रोशनी रात के अंधकार को और हिमकणों को चीरकर धरती पर फैल रही थी। ऐसे लगते थे कि हिमकणों से भरे हुए पत्ते चाँदनी से संवाद कर रहे हैं।

वहाँ दूर एक बड़ा पहाड़ था। उस पहाड़ को एक बड़ा घाटी भी था। उस घाटी में एक छोटा गाँव था। उस गाँव के लोग बहुत प्यार से और एकता से जीने वाले थे। उस गाँव में एक मन्दिर, एक गिरजाघर और एक मस्जिद था। उस गाँव में एक नदी बहती है। नदी के किनारे खड़े हुए पेड़ को चूम-चूमकर वह नदी बहती है। उस नदी की सुन्दरता उस गाँव की सुन्दरता भी बढ़ाती है। सुबह सब उठते समय मन्दिर से ईश्वर केलिए लगाये हुए

गाने भी सुनते है, गिरजाघर से घंटी बजने के शब्द भी सुनते है और मस्जिद से नमाज़ करनेवालों को बुलाने केलिए अज़ान भी लगाते है। आमतौर पर कहे तो यह गाँव की सुन्दरता अवर्णनीय है। एक रात जब पूरे गाँव सो चुके थे, अचानक एक बड़ी चिल्लाहट सुनी और पूरे गाँव जाग गए। रास्ते मे एक लड़की रो रही थी। वह तो..... ....

.... उस गाँव मे एक सेवामुक्त अध्यापक रहते थे। उनको एक बेटी थी। अध्यापक का नाम था सुरेश। उनके बेटी का नाम था नुन्नु। वह तो बहुत होशियार थी। वह उसकी माँ को बहुत प्यार करती थी। लेकिन एक दिन उसकी माँ एक बीमारी के कारण स्वर्ग सिद्धार हो गई। इसके कारण नुन्नु दुःख की समुद्र में डूब गई। इसके कारण नुन्नु पढ़ाई मे पीछे होने लगी। लेकिन सुरेश हार नही माना। उसके बेटी को खुद

पढ़ाया और कक्षवी कक्षा में अच्छे अंक से जीत गई। इसके बाद ऊँचे शिक्षा केलिए वह दिल्ली गई। यह बिछुडन सुरेश और नुन्नु सह न सका। ऐसे ही कुछ साल बीत गये। नुन्नु एक सुन्दर लड़के प्यार करने लगी। इसके कारण नुन्नु पढ़ाई में पीछे होने लगा। उसको गुरु ने उसको कई बार सलाह दिया। लेकिन वह उसको नहीं माना। कुछ साल के बाद नुन्नु से प्यार करनेवाला लड़का, गोपु, उसे शराब पीने केलिए प्रेरित किया और पिलाया। यह कई साल तक पिलाने के कारण नुन्नु शराब के जाल में फँसकर उसके गुलामी बन गये। यह एक खतरनाक समस्या बनने से पहले ही नुन्नु के गुरु सुरेश को बुलाकर नुन्नु को घर ले जाने केलिये कहा। यह सुनकर सुरेश का दिल टुकड़ा-टुकड़ा बन गया। सुरेश भी उसे सलाह दिया लेकिन वह उसे नहीं माना। एक रात को जब

सुरेश ~~बे~~ सो चुका ~~था~~ था, नुन्नू अपने दोस्तों के साथ शराब पीने केलिए बाहर गया। शराब पीया और नशे का उपयोग किया। अचानक नुन्नू की होश खो गयी और उसकी दोस्तों ने ~~भयभीत~~ भयभीत होकर उसे ~~रास्ते~~ रास्ते में छोड दिया। यह सुरेश के एक शिष्य ने देखा और नुन्नू को उसकी घर पहूँचाई। अध्यापक ने दरवाजा खोला और अपनी बेटी की यह ~~हाल~~ हालत देखकर उसके पूरा शरीर काँपने लगा। ~~a~~ उसका होश खो गया। शिष्य ने उन्हे अस्पताल ले जाने से पहले ही वह शिष्य के गोद में लेटकर स्वर्ग सिद्धार हो गया। उस रात ही नुन्नू जागा और बाहर गया। वह घर से उतरने से पहले अपने पिता को देखा लेकिन कहीं नहीं ढूंढा। ~~a~~ उसने मन ~~में कहा~~ से पूछा "~~बाप~~ बाप इतने रात को कहाँ गए।" रास्ते में वह उसके दोस्त को मिला और ~~उसका~~ उसने सब बाते नुन्नू से कहीं।

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: 642 Participant Code: 117

यह सुनकर नुन्नु ज़ोर से चिल्लाने लगा। चिल्लाने ही इसकी नाक से खून आने लगा। सुबह होते समय उसकी पिता को घर ले आया और नुन्नु ने कहा, "बाप मेरी बाप... आप मुझे छोडकर मत जा... मुझे माँफ कीजिए..."। लेकिन उसकेलिए समय बहुत पहले ही बीत चुके थे। उसने खुद कहा "आज से मे नशीले चीजों का उपयोग नहीं करूँगा"।

सीख : माँ-बाप के और गुरुओं के बाते न माने तो अंत का फल ईसा ही होगा। नशे का उपयोग मत करो। बुरे दोस्ती से दूर रहे। बुरे दोस्ती से दूर रहने को दूसरो को प्रेरित भी करें।